आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 29 लखनऊ, शनिवार 07 नवम्बर से 13 नवम्बर, 2020 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

प्रधानमंत्री मोदी रविवार को हजीरा में रो–पैक्स टर्मिनल का करेंगे शुभारम्भ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात के हजीरा में रो–पैक्स टर्मिनल का शुभारम्भ करेंगे और हजीरा एवं घोघा के बीच रो–पैक्स सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे। जलमार्गों के इस्तेमाल और उन्हें देश के आर्थिक विकास के साथ जोड़ने के प्रधानमंत्री के विजन की दिशा में इसे एक अहम कदम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के दौरान सेवा का उपयोग करने वाले स्थानीय लोगों के साथ संवाद भी करेंगे। इस अवसर पर पोत परिवहन राज्य मंत्री और गुजरात के मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहेंगे। हजीरा में शुरू किए जा रहे रो–पैक्स टर्मिनल की लंबाई १०० और चौडाई ४० मीटर है, जिस पर करीब २५ करोड़ रुपये की लागत आई है। इस टर्मिनल में प्रशासनिक कार्यालय

इमारत, पार्किंग क्षेत्र, सबस्टेशन और वाटर टॉवर आदि कई सुविधाएं बनायी गयी हैं। रो–पैक्स फेरी वैसल 'वोयेज सिम्फनी' तीन मंजिला जहाज है। इसके मुख्य डेक की भार क्षमता ३० ट्रक, ऊपरी डेक की १०० यात्री कार और यात्री डेक की क्षमता ५०० यात्रियों तथा ३४ चालक दल एवं आतिथ्य सेवा कर्मचारियों की है। हजीरा–घोघा रो–पैक्स फेरी सेवा के कई फायदे होंगे। यह दक्षिणी गुजरात और सौराष्ट्र क्षेत्र के द्वार के रूप में काम करेगा। इससे घोघा और हजीरा के बीच की दूरी ३७० से घटकर ६० किलोमीटर रह जाएगी। इसके अलावा कार्गो ढुलाई की अवधि १० से १२ घंटे से घटकर लगभग ४ घंटे होने के कारण हर रोज लगभग ६,००० लीटर ईंधन की भारी बचत होगी और वाहनों की रख–रखाव की लागत में खासी कमी आएगी।

चीन को छोड़कर ताज नगरी में जर्मन कंपनी का निवेश करना सुखद : योगी

लखनऊ। चीन को छोड़कर ताज नगरी आगरा में अपने संयंत्र की स्थापना कर रही जर्मन कंपनी वॉन वेलेक्स के फैसले का सम्मान करते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश का उद्यम प्रदेश के रूप में

विकसित होने का यह प्रत्यक्ष प्रमाण है। योगी ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि आदरणीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश उद्यम प्रदेश के रूप में विकसित हो रहा है। जर्मन कम्पनी का चीन के स्थान पर उत्तर प्रदेश में स्थापित होना, इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। बीते दिनों जर्मनी की फुटवियर कंपनी वॉन वेलेक्स ने चीन से अपना कारोबार समेट कर आगरा में नई यूनिट शुरू की है। उद्योग जगत ने इसे यूपी के लिये एक शुभ संकेत करार दिया है। गौरतलब है कि कोरोना वायरस महामारी के बीच जर्मनी की फुटवियर कंपनी वॉन वेलेक्स ने आगरा में अपनी जूता बनाने की दो यूनिट शुरू की हैं। अभी तक कुल २००० लोगों को इन यूनिट में रोजगार दिया गया है। वॉन वेलेक्स कंपनी अब यूपी में तीन परियोजनाओं में लगभग ३०० करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी का दावा है कि इससे १० हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। जबकि यूनिट्स सालाना ५० लाख जोड़े जूते का उत्पादन करेंगी। वॉन वेलेक्स द्वारा १०,००० वर्ग मीटर क्षेत्रफल में जेवर (यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) में दिसंबर तक एक नई उत्पादन इकाई स्थापित किए जाने की संभावना है। योगी सरकार की निवेशोंमुखी नीतियों के चलते राज्य और संघ शासित प्रदेशों की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) रैंकिंग में इस बार उत्तर प्रदेश ने लंबी छलांग लगाई है। वह रैंकिंग में १० पायदान उछलकर दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। ऐसा करने में उसने महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना और राजस्थान जैसे कई प्रमुख राज्यों को पीछे छोड़ा है। इस रैंकिंग में यूपी अब केवल आंध्र प्रदेश से पीछे है। औद्योगिक जगत की जरूरत के अनुसार जरूरी बदलावों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रतिबद्धता जगजाहिर है।

ठंड के मद्देनजर सीएम योगी ने तीन दिन में रैन बसेरों की व्यवस्था करने के दिए निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ठंड के मद्देनजर राहत आयुक्त कार्यालय को सम्पूर्ण प्रदेश में रैन बसेरों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अगले तीन दिन में रैन बसेरों की सुरक्षा तथा साफ–सफाई के प्रबन्ध करते हुए इन्हें स्थापित कर दिया जाए। रैन बसेरों में गार्ड की व्यवस्था भी की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नगर मजिस्ट्रेट, तहसील स्तर पर तहसीलदार तथा थाना स्तर पर थानाध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि फुटपाथ पर सोए लोगों को रैन बसेरों में पहुंचाया जाए। अस्पताल परिसर में खुले में सो रहे मरीजों के तीमारदारों के लिए भी चिकित्सालय परिसर में

रैनबसेरा आदि की सुचारु व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा है कि कम्बल वितरण तथा अलाव जलाने के लिए सभी प्रबन्ध अभी से कर लिए जाएं, जिससे जरूरतमंदों को समय से राहत पहुंचाई जा सके। गौरतलब है कि प्रदेश के राजस्व विभाग द्वारा आगामी शीतलहर में राहत कार्य संचालित करने के लिए धनराशि जारी कर दी गई है। इसके तहत कम्बल वितरण के लिए सभी जिलो को प्रति तहसील ०५–०५ लाख रुपये तथा अलाव के लिए प्रति तहसील ५० हजार रुपये की धनराशि इस प्रकार कुल १६.२५ करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी गयी है।

लखनऊ स्नातक सीट से कान्ति सिंह ने किया नामांकन

लखनऊ। लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य पद के लिए कांति सिंह ने शुक्रवार को नामांकन किया। कांति सिंह इसी सीट से वर्ष २०१४ से २०२० तक विधान परिषद् सदस्य भी रही हैं। कांति सिंह ने मण्डलायुक्त कार्यालय में कोरोना प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए अपना नामांकन कराया। नामांकन के समय उनके साथ में पूर्व एमएलसी डॉ. एस.पी. सिंह (संस्थापक प्रबन्धक– एलपीएस), सुशील कुमार, हर्षित सिंह, ज्ञानेन्द्र कुमार, कान्ति सिंह के जिला प्रतिनिधि राजबहादुर सचान, एमएलसी राजबहादुर सिंह चंदेल (नेता निर्दल समूह), गरिमा सिंह, दीपा सिंह, कुमुद सिंह, विभा सिंह, रमा सिंह, एडवोकेट धर्मेन्द्र शर्मा, एडवोकेट अरविन्द सिंह, प्रबोध कुमार एवं अन्य सम्मानित लोग उपस्थित रहे। पत्रकारों से वार्ता के दौरान महिलाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाना, बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा उपलब्ध कराना, युवाओं के लिए कॅरियर काउंसलिंग कराना, रोजगार मेला लगवाना, अन्वेषण–नवाचार और तकनीकी उपक्रमों को दूर–दराज के गांवों तक पहुंचाना, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को पुरानी पेंशन व्यवस्था दिलाना, बेरोजगारों /स्नातकों की समस्याओं के निदान हेतु ठोस कदम उठाना, शिक्षामित्रों व अनुदेशकों को उचित वेतन दिलाना एवं वित्तविहीन शिक्षकों को सरकार की ओर से उचित मानदेय दिलाने की दावा किया है।

भारतीय सेना प्रमुख नरवणे ने किया एवरेस्ट बेसकैंप का दौरा

काठमांडू। भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे नेपाल में आज अपने तीन दिवसीय दौरे के समापन के पहले एवरेस्ट बेस कैंप पर पहुंचे। नेपाल सेना के अनुसार, जनरल नरवणे एवरेस्ट बेस कैंप पहुंचे और ३,८८० मीटर की ऊंचाई पर स्थित होटल एवरेस्ट व्यू में नाश्ता किया। नई दिल्ली लौटने से पहले, भारतीय सेना प्रमुख नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के साथ एक बैठक करेंगे, जो रक्षा मंत्रालय का प्रभार भी संभालते हैं। राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी द्वारा गुरुवार को जनरल नरवणे को नेपाल सेना के जनरल के मानद रैंक से सम्मानित किया गया ता। राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री ओली, भारतीय राजदूत विनय एम. क्वात्रा और दोनों देशों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। नरवणे बुधवार को नेपाल दौरे पर पहुंचे थे।

सम्पादकीय

शक्तियों का दुरुपयोग

मौजूदा केंद्र सरकार द्वारा शक्तियों का दुरुपयोग कैसे किया जा सकता है कि इसकी मिसाल अभी हाल ही में फिर देखने को मिली है। केंद्र सरकार की इस इरकत से सिविल सोसायटी में नाराजगी और व्यग्रता है, लेकिन उसका कोई असर होना नहीं है। उससे सिर्फ यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि गुजरे दशकों में लंबे जन संघर्ष से व्यवस्था में अवरोध और संतुलन के जो उपाय हासिल किए गए थे, वो अब हर व्यावहारिक रूप में खो जुके हैं। ताजा मिसाल सूचना आयोग में नई नियुक्तियों के सिलसिले में मिली। विदेश सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी यशवर्धन कुमार सिंहा को प्रमुख सूचना आयुक्त (सीआईसी) और पत्रकार उदय माहुरकर को सूचना आयुक्त नियुक्त किया गया। विवाद इसलिए खड़ा हुआ क्योंकि आयुक्तों को चुनने के लिए बने पैनल के सदस्य कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने जानकारी दी कि ये नियुक्तियां उनके विरोध के बावजूद हुई हैं। अध ीर रंजन चौधरी लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता हैं। मीडिया में आई खबरों के अनुसार चौधरी ने आपत्ति जताई कि सबसे पहले तो चयन समिति ने १३६ आवेदकों में से सात को शार्ट लिस्ट करने का कोई भी आधार नहीं बताया। उसके बाद एक ऐसे व्यक्ति को सीआईसी बनाया गया जिसे देश के अंदर सेवाएं उपलब्ध कराने, कानून, विज्ञान, मानवाधिकार और दूसरे जन–सरोकार के विषयों का कोई जमीनी तजुर्बा नहीं है। यशवर्धन कुमार सिंहा १९८१ बैच के आईएफएस अधिकारी हैं। अपनी ३५ सालों की राजनयिक सेवा में वो श्रीलंका और ब्रिटेन में भारत के राजदूत रह चुके हैं और कई और विदेशी दूतावासों में अहम पदों पर काम कर चुके हैं। उन्हें जनवरी २०१६ में केंद्रीय सूचना आयुक्त बनाया गया था। चौधरी के अनुसार सिंहा सीआईसी के पद के लिए इस कारण से भी योग्य नहीं थे, क्योंकि सूचना आयुक्त वनजा सरना उनसे वरिष्ठ हैं और पद के लिए बेहतर योग्यता रखते हैं। वैसे सबसे बड़ा विवाद माहुरकर के नाम को लेकर उठा है। इंडिया टुडे समूह के साथ काम करने वाले माहुरकर को केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी के मुखर समर्थक के रूप में जाना जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियों पर एक किताब भी लिखी है। उनकी नियुक्ति का मामला सबसे विवादास्पद इसलिए भी है, क्योंकि चौधरी के अनुसार माहुरकर का नाम आवेदकों की सूची में था ही नहीं। मगर केंद्र ने इस बातों की कोई परवाह नहीं की। इसे मनमानी की मिसाल ही कहा जाएगा।

सियासत चमकाने की मंशा

जातीय आरक्षण की मांग बार– बार क्यों उठती है, अब इस सवाल पर विचार किए जाने की जरूरत है। क्या इसके पीछे कुछ नेताओं की अपनी सियासत चमकाने की मंशा होती है, या वास्तव में संबंधि ात समुदाय के लोग ये समझते हैं कि आरक्षण मिलने से उनका भला हो जाएगा? सरकारी क्षेत्र में नौकरियां लगातार घटने और सार्वजनिक कंपनियों के निजीकरण के चल रहे दौर के बावजूद अगर कुछ समुदायों में आरक्षण के प्रति मोह बना हुआ है, तो जाहिर है, उसका कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है। इसीलिए अब इस प्रश्न पर व्यापक और तथ्य–परक चर्चा जरूरी हो गई है। ताजा खबर है कि राजस्थान में गुर्जर समुदाय से जुड़े लोगों ने उच्च शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की मांग फिर से उठाई है। प्रदर्शनकारी कई जगहों पर ट्रेन की पटरियों पर बैठ गए, जिससे रेल सेवाएं बाधित हो गईं। गुर्जर समाज के लोग २००७ से आरक्षण की मांग कर रहे हैं। उन्होंने पहले भी कई बार आंदोलन किए हैं, जिनमें कई बार हिंसा भी हुई। अतीत में उनके लिए राज्य सरकार ने पांच प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा भी की थी। लेकिन उसे अदालतों में चुनौती दी गई है, क्योंकि उसे लागू करने से सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन होता है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश में आरक्षण पर ५० प्रतिशत की सीमा लगाई हुई है। अब फिर प्रदर्शनों की शुरुआत करते हुए गुर्जर नेता विजय बैंसला ने कहा कि पिछले दो सालों में आरक्षण के बारे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से उनकी चार बार बातचीत हो हुई है। लेकिन अभी तक कोई भी कदम नहीं उठाया गया है। इसीलिए इस बार जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, उनका प्रदर्शन चलता रहेगा। सवाल है कि जब मामला कोर्ट में है, तो फिर आंदोलन का क्या तर्क बनता है। मगर जातीय राजनीति करने वाले नेता ऐसी ठोस पर विचार नहीं करते। बैंसला ने कहा कि बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार बैठे हुए हैं। दूसरी तरफ २५,००० नौकरियां अटकी हुई हैं, जिसकी वजह से युवाओं में बहुत गुस्सा है। तो मांग यह होनी चाहिए कि उन खाली जगहों पर भर्ती हो। या ऐसी आर्थिक नीति अपनाई जाए, जिससे रोजगार के अधिकतम अवसर पैदा हों। क्या ऐसी मांग करने के बजाय आरक्षण की मांग करना मुद्दे को भटकाना नहीं है?

पराली जलाने के दुष्प्रभाव से किसानों को किया जाए जागरूक : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण के दुष्प्रभाव से किसानों को जागरूक किया जाए। उन्होंने कृषि विभाग को निर्देशित किया कि इस सम्बन्ध में किसानों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें। यह भी सुनश्चिति किया जाए कि पराली जलाने पर किसानों के साथ कोई दुर्व्यवहार अथवा उत्पीड़न न हो। पराली के उपयोग के लिए नवीन प्रयोगों को बढ़ावा दिया जाए। पराली से जैव ईंधन बिजली तैयार किए जाने के सम्बन्ध में पूर्व स्वीकृत सहमत परियोजना की समीक्षा कर इसका उपयोग बढ़ाया जाए। जिससे किसानों को पराली से आय होगी। उन्होंने कहा कि मूल्य समर्थन योजना के तहत किसानों से की जा रही धान खरीद से सम्पूर्ण राज्य में बड़ी संख्या में कृषक लाभान्वित हो रहे हैं।

त्योहार पर घर जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत दस दिनों तक स्पेशल बसें

लखनऊ। राज्य सड़क परिहवन निगम प्रशासन इस बार दिपावली पर्व पर रोडवेज यात्रियों को १० दिनों तक स्पेशल बसों की सुविधा देगा । परिवहन निगम प्रशासन १२ से २१ नवंबर तक अतिरिक्त बसें चलाएगा। लखनऊ से ६०० बसें संचालित होंगी। इनमें प्रमुख आठ मुख्य मार्गो पर एसी और साध ाारण बसों की अतिरिक्त सेवाएं चलेंगी। दस दिनों तक चालक परिचालकों की छुट्टी रद्द कर दी हैं। इस दौरान ड्यूटी करने वाले कर्मियों को प्रोत्साहन धनराशि दी जाएगी। इस बार परिवहन निगम का फंडा यह है कि जहां के यात्री मिलेंगे वहां रोडवेज बसें जाएंगी। यात्रियों की संख्या के हिसाब से बसों की सीधी सेवा चलाई जाएगी। यात्रियों को नन स्टाप बसों की यह सुविध

ा दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, बरेली, अलीगढ़, झांसी, आगरा से सीधे पूर्वांचल क्षेत्रों के लिए मिलेगी। ऐसे में जिन यात्रियों को वोल्वो, स्कैनिया, जनरथ बसों में सफर करना है वे ऑनलाइन सीटों की बुकिंग करा सकते है। परिवहन निगम ने दीपावली पर्व पर लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने और वापस लाने के लिए स्पेशल बसों का इंतजाम किए हैं। इस संबंध में शुक्रवार को संपन्न हुई बैठक में सभी एआरएम को अतिरिक्त बस संचालन की जिम्मेदारी को सौंपी गई। लखनऊ के क्षेत्रीय प्रबंधक पीके बोस ने बताया कि लखनऊ–दिल्ली, गोरखपुर, वाराणसी, शक्ति नगर, हरिद्वार, देहरादून, सहारनपुर रूट पर स्पेशल वोल्वो ,स्कैनिया, जनरथ बस को चलाएंगे।

सीएम योगी का दीपावली का तोहफा प्रांतीय पुलिस सेवा संवर्ग के ५२ अधिकारियों को मिली प्रोन्नति

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से दीपावली पर किसानों, व्यापारियों, अधिकारियों और कर्मचारियों को तोहफा देने का दौर जारी है। विभिन्न सेवाओं में लगे कर्मचारियों को ३० दिन के बोनस का उपहार देने और किसान मंडी शुल्क की दर को घटाने की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी करने के बाद अब मुख्यमंत्री ने प्रांतीय पुलिस सेवा संवर्ग के अधिकारियों को अपर पुलिस अधीक्षक के विभिन्न ग्रेड पे में प्रोन्नति प्रदान करने करने की सहर्ष स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। योगी के इस फैसले से प्रांतीय पुलिस सेवा संवर्ग के ५२ अधिकारी लाभान्वित होंगे। नव प्रोन्नत अधिकारियों में २१ अधि ाकारियों को अपर पुलिस अधीक्षक, विशेष श्रेणी–एक, ग्रेड पे–८७०० में, २१ अधिकारियों को अपर पुलिस अधीक्षक, विशेष श्रेणी–एक, ग्रेड पे–८६०० में तथा १० अधिकारियों को अपर पुलिस अधीक्षक, उच्चतर श्रेणी ग्रेड पे–१०००० में प्रोन्नति दी गई है। मुख्यमंत्री के इस फैसले से प्रोन्नति प्राप्त पुलिस अधिकारियों की दिवाली की खुशी दोगुनी होनी तय है।

वापस लिया जाएगा सभी ४७६ नागरिक पुलिसकर्मियों के पदावनत का आदेश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस एवं पीएसी कर्मियों के शौर्य और सेवाभाव की सराहना करते हुए निर्देश दिए हैं कि संबंधित कार्मिक जो पीएसी से निर्धारित व्यवस्था के अनुरूप शासकीय हित में दिनांक २६ नवम्बर २००४ तक नियमित रूप से प्रत्येक वर्ष एपी में भेजे गए थे, उस दिनांक को एपी में रिक्त पदों के सापेक्ष संबंधि ात कार्मिक संविलीन माने जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि पुलिस मुख्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा ०६ सितंबर को जारी नागरिक पुलिस कार्मिकों के पदावनत आदेश को वापस लिया जाए। यही नहीं पीएसी के जो कार्मिक २६ नवम्बर २००४ के बाद सशस्त्र पुलिस/नागरिक

पुलिस में चले गए थे, यदि वह निध ारित मानक पूरे करते हों तो उन्हें भी नागरिक पुलिस में संविलीन किया जाए। मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर इसकी जनकारी दी है। इसके साथ ही, अब यह भी स्पष्ट किया गया है कि भविष्य में पीएसी के किसी कार्मिक को नागरिक पुलिस में नही भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पीएसी मुख्यालय द्वारा पीएसी एवं नागरिक पुलिस में प्रोन्नति के अवसर समानान्तर करने हेतु भी अलग से प्रस्ताव तैयार किया जाए। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार उक्त के सम्बंध में आदेश जारी कर दिया गया है।

हाथरस में सीबीआई कर रही सीन रिक्रिएशन

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस में युवती के साथ हुए कथित दुष्कर्म तथा मौत के मामले में आज सीबीआई की टीम सीन रिक्रिएट कर रही है। सीबीआई ने घटनास्थल पर छानबीन की। इस दौरान बिटिया की मां व बड़ा भाई साथ में मौजूद दिखाई दिए। घटनास्थल पर गहनता से पूछताछ की जा रही है। सीआरपीएफ का खेत के चारों तरफ कड़ा पहरा है। सीबीआई की टीम सुबह ही गांव पहुंची और पीड़िता के परिजनों के साथ भेंट की। थोड़ी देर तक पूछताछ के बाद सीबीआई की टीम मृत युवती की मां तथा भाई को लेकर घटनास्थल पर पहुंची। यहां पर सीबीआई की टीम घटना के सीन रिक्रिएशन में लग गई है। सीन रिक्रिएशन के लिए सीबीआई की टीम घटनास्थल पर हर पहलू की पड़ताल कर रही है। सीबीआई

की टीम ने घटनास्थल पर मां से करीब ५० मिनट बात की। इस दौरान मृत युवती के भाई को वहां से दूर बैठाया गया। इसके बाद सीबीआई ने मृतका के भाई से करीब २५ मिनट तक पूछताछ की। सीन रिक्रिएशन में एक महिला कन्टेबल ने जमीन पर गिरी मां को उसी अंदाज में उठाया, जैसे मां ने १४ सितंबर को अपनी बेटी को उठाया था। सीआरपीएफ की कड़ी सुरक्षा में सीन रिक्रिएट कर रही सीबीआई की टीम ने मीडिया को क्राइम स्थल पर जाने से रोका है। मीडिया को २५० मीटर दूर रखा गया है। ग्रामीण पूरे नजारे को देखना चाहते थे, लेकिन पाबंदी के चलते देख नहीं पाए। बिटिया के घर पर तैनात सीआरपीएफ के जवान वहां आने–जाने वाले हर व्यक्ति का ब्योरा दर्ज कर रहे हैं। बिटिया के परिजनों से अभी भी बाहर से लोग आकर मिल रहे हैं। बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय दलित बचाओ आंदोलन का प्रतिनिधि मंडल बिटिया के घर पहुंचा। इन लोगों ने विस्तार से पूरे मामले की जानकारी ली और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। मृतका के स्वजन से विभिन्न संगठनों के लोगों का मिलना फिर से शुरू हो गया है। सीबीआई जांच शुरू होने के कारण २० दिन से बाहरी संगठनों का आवागमन बंद रहा था। अब एक बार फिर दिल्ली और दूर दराज के लोग मृतका के परिवार से मिलने के लिए आ रहे हैं। ज्ञात हो कि हाथरस के बूलगढ़ी गांव में १४ सितंबर को दलित युवती के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म हुआ था। इस दौरान उसके साथ मारपीट भी की गई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। बाद में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गयी। इस पूरे मामले की तहकीकात सीबीआई के हांथों में है।

कोविड 19 का खौफ इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेजों के छात्रों पर दिखा

लखनऊ। कोविडें१६ का खौफ इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेजों के छात्रों पर भी दिखा। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय से संबद्ध ७५० कॉलेजों में पढ़ाई शुक्रवार को शुरू हुई लेकिन छात्रों की संख्या महज २० प्रतिशत ही दिखी। ऐसे में कॉलेज प्रबंधन भी मान रहे हैं अभी छात्रों मे कोरोना का डर बना हुआ है। बीते गुरूवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय पाठक की ओर से जारी आदेश के बाद शुक्रवार से कॉलेजों को खोला गया है। इस संबंध में एकेटीयू की आधिकारियों का कहना है कि किसी भी छात्र को जबरदस्ती कॉलेज नहीं बुलाया जा सकता है। जो छात्र कॉलेज आकर नहीं पढ़ सकत हैं उनके लिए आनलाइन का भी विकल्प दिया गया है।

विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि किसी भी छात्र पर क्लास करने के लिए दबाव नहीं बनाया जाएगा। जो छात्र स्वेच्छा से आना चाहें उन्हें ही बुलाया जाए। प्रथम सेमेस्टर के लिए भी पढ़ाई शुरू करंने की तैयारी एकेटीयू के प्रवक्ता आशीष मिश्रा ने बताया कि नवप्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं अनलाइन/ऑफलाइन या दोनों माध्यम से २४ नवम्बर से संस्थानों की ओर से संचालित किया जाना सुनिश्चित है। उन्होंने साफ किया कि इस दौरान कोविड–१६ महामारी से नियंत्रण एवं बचाव के लिए जारी केंद्र एवं राज्य सरकार के दिशा निर्देशों का पूर्णतया पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि किसी भी छात्र के स्वास्थ्य के साथ किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए।

फर्जी शिक्षक को एसटीएफ लखनऊ की टीम ने किया गिरफ्तार

लखनऊ। एसटीएफ लखनऊ की टीम ने फर्जी शिक्षक ऋषिकेश मणि त्रिपाठी को गिरफ्तार कर लिया है। असिस्टेंट प्रोफेसर बजरंग भूषण के शैक्षिक दस्तावेजो के आधार पर सीतापुर में प्राथमिक विद्ध्यालय में नौकरी कर रहा था। गिरफ्तार फर्जी शिक्षक ऋषिकेश की पत्नी स्नेहलता तिवारी की भी पहले गिरफ्तार करके बर्खास्त की जा चुकी है जिसकी स्वाति तिवारी के दस्तावेजो के आधार पर हरिहर प्राथमिक विधालय में शिक्षक पद पर तैनात हुई थी। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा मुकदमा दर्ज कराने के बाद एस टी एफ द्वारा कार्यवाही की गई। अशोक इंटर कालेज में लेक्चरर आरोपी दम्पत्ति के पिता ने दोनों को फर्जी दस्तावेजों से नियुक्ति कराई थी।

बिहार चुनाव में नीतीश के 'अंतिम चुनाव' के बयान के कई मायने

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (युनाइटेड) के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने कल बिहार विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन 'यह उनका अंतिम चुनाव है' कह कर बिहार की सियासत की तपिश बढ़ा दी है, हालांकि नीतीश के बयान के कई मायने निकाले जा रहे हैं। नीतीश के बयान को उनकी ही पार्टी जदयू भी अलग ढंग से देखती है। कई इसे 'इमोशनल कार्ड' भी खेलना बता रहे हैं। वैसे नीतीश की पहचान सधे, मंझे और गूढ राजनेता के रूप में रही है। कहा जाता है कि नीतीश बिना सोचे समझे कोई बयान नहीं देते हैं और उनके बयानों के कई अर्थ होते हैं। नीतीश की यह पहचान केवल बिहार में ही नहीं पूरे देश में दिखाई देती रही है। नीतीश के बयान के बाद जदयू के वरिष्ठ नेता और जदयू के बिहार प्रदेश अध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह ने इस बयान को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन से जोड़ दिया। सिंह ने कहा, सार्वजनिक जीवन जीने वाले, राजनीति करने वाले कभी

रिटायर नहीं होते। जबतक पार्टी चाहेगी नीतीश कुमार काम करते रहेंगे। जब वे चुनाव लड़ ही नहीं रहे, तो यह अंतिम चुनाव कैसे। राजनीतिक समीक्षक सुरेंद्र किशोर भी कहते हैं कि जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सिंह अगर कोई बयान दे रहे हैं, उसे नकारा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि यह सही है कि नीतीश कुमार के बयान के कई मायने निकाले जा सकते हैं। उन्होंने इसे भावना उभारने वाला बयान होने से भी इंकार नहीं किया है। किशोर कहते हैं, जदयू में नीतीश सर्वमान्य नेता रहे हैं। पार्टी उन्हें इतना आसानी से छोड़ देगी, इसकी उम्मीद काफी कम है। इधर, जदयू के एक नेता कहते हैं कि नीतीश के संन्यास लेने के बाद जदयू ही बिखर जाएगी। जदयू के नेता ने नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर कहा, अन्य दलों की तरह जदयू वंशवाद की पार्टी नहीं है और भाजपा की तरह संगठित पार्टी भी नहीं है, ऐसे में पार्टी के लोग ही नीतीश कुमार को पार्टी से अलग नहीं होने देंगे। यह सच भी है कि जदयू में ऐसा कोई नेता नहीं जो पार्टी के कार्यकताओं को जोड़ कर रख सके और पार्टी के कार्यकर्ता भी उन्हें नेता मान लें।

मप्र में नतीजों के बाद की रणनीति पर सियासी कदमताल

भोपाल। मध्यप्रदेश में विधानसभा के उपचुनाव के नतीजे आने से पहले ही सत्ताधारी दल भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस ने अपनी आगामी रणनीति के लिए कदमताल तेज कर दी है, कहीं बैठकों का दौर जारी है तो कहीं

विधायकों से मेल मुलाकात तेज हो गई है। राज्य के २८ विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान हो चुका है और १० नवंबर को मतगणना होने वाली है। सत्ताधारी दल भाजपा और विपक्ष कांग्रेस का दावा है कि नतीजे उनके पक्ष में आएंगे और सरकार उनकी बनेगी। अंकगणित को लेकर दोनों के अपने–अपने तर्क हैं। विधानसभा की स्थिति पर गौर करें तो २३० सदस्यों वाली विधानसभा में एक स्थान रिक्त है वहीं २८ स्थानों पर उपचुनाव हुए हैं। वर्तमान में २०१ विधायक हैं जिनमें भाजपा के पास १०७ कांग्रेस के ८७ और चार निर्दलीय, दो बसपा और एक सपा का है। इस तरह २८ विधानसभा क्षेत्रों में से भाजपा को आठ स्थानों पर जीत की जरूरत है वहीं दूसरी ओर कांग्रेस को सभी २८ सीटें जीतने के बाद एक और विधायक की जरुरत होगी। जीत की आस लगाए दोनों दल चुनाव परिणामों के बाद की रणनीति पर मंथन करने में जुटे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ लगातार कांग्रेस नेताओं के संपर्क में हैं, साथ ही मतदान की समीक्षा कर रहे हैं। परिणामों के बाद के अंक गणित पर भी जोड़–घटाव जारी है। उनका कोर ग्रुप इस बात पर भी मंथन कर रहा है कि अगर कांग्रेस २० या उसके आसपास सीटें जीतती हैं तो किस तरह आगे बढ़ा जाएगा। इसको लेकर निर्दलीय, बसपा और सपा विधायकों से कांग्रेस के नेता लगातार संपर्क में हैं। कांग्रेस को भरोसा तो इस बात का है कि अगर भाजपा को पूर्ण बहुमत से बहुत ज्यादा सीटें नहीं मिलती हैं तो पार्टी में बगावत हो सकती है और उसका लाभ कांग्रेस को मिल सकता है।

सुप्रीम कोर्ट कर सकता है चुनाव परिणाम पर फैसला : ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने डेमोक्रेटिक पार्टी पर चुनाव में धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि चुनाव परिणाम को लेकर अंतिम फैसला सुप्रीम कोर्ट कर सकता है। ट्रम्प ने कल व्हाइट हाउस में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, हमारा मानना है कि हम आसानी के साथ चुनाव जीत जायेंगे। चुनाव परिणाम को लेकर बहुत सारी याचिकाएं दायर की जायेंगी क्योंकि हमारे पास चुनाव में धांधली के पर्याप्त प्रमाण हैं। शायद इसका फैसला देश की सर्वोच्च अदालत कर सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर चुनाव में अपनी जीत का दावा करते हुए कहा, यदि वैध मतों की गिनती की जाती है तो मैं आसानी के साथ जीत जाऊंगा। डेमोक्रेटिक पार्टी अवैध मतों के जरिये हमारे पक्ष में आए चुनाव परिणाम को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही है। मैं निर्णायक रूप से अहम माने जाने वाले कई राज्यों को जीत चुका हूं। हमने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। ट्रम्प ने अपने आरोपों के पक्ष में अब तक कोई सुबूत पेश नहीं किया है। रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रम्प ने अब तक २१४ इलेक्टोरल वोट हासिल किया है जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेट के जो बिडेन को २६४ इलेक्टोरल वोट मिले हैं। रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रम्प ने आरोप लगाया कि उनके चुनाव प्रचार पर्यवेक्षकों को परिणाम का विश्लेषण करने से रोका जा रहा है। ट्रम्प ने पेन्सिल्वेनिया और जार्जिया में जीत का दावा करते हुए कहा कि वह एरिजोना भी जीतने जा रहे हैं। ट्रम्प के चुनाव प्रचार अभियान ने कई प्रांतों में कानूनी कार्रवाई की शुरुआत कर दी है और डाक मतपत्रों की गिनती को रोकने की

मांग की है। रिपब्लिकन पार्टी ने विस्कन्सिन में दोबारा मतगणना की मांग की है। इससे पहले बिडेन ने प्रत्येक वोट की गिनती की जाने की बात को दोहराते हुए अमेरिकी नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है। बिडेन ने कहा, मैं सभी लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। मतगणना का काम जारी है और यह जल्द ही पूरी हो जायेगी। हमें चुनाव परिणाम के बारे में जल्द ही जानकारी मिलेगी। शांति और सब्र बनाये रखने के लिए आप सभी लोगों का विशेष रूप से धन्यवाद। बिडेन ने डेलावेयर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, अमेरिका में प्रत्येक वोटर डरा हुआ है। इस देश के लोग जिस तरह से मतदान करते हैं, इसलिए प्रत्येक वोट की गिनती की जानी चाहिए और ऐसा ही होगा। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा, सीनेटर कमला हैरिस और मैं लगातार ऐसा महसूस कर रहे हैं कि चुनाव के नतीजे हमारे पक्ष में रहेंगे। हमें इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं है कि जब मतगणना समाप्त होगी तो हम विजयी घोषित किए जायेंगे। बिडेन कड़े मुकाबले के बाद मिशीगन और विस्कन्सिन प्रांतों में जीत हासिल करने के बाद २६४ इलेक्टोरल वोट हासिल कर चुके हैं। अमेरिका का अगला राष्ट्रपति बनने के लिए उन्हें २७० के जादुई आंकड़े तक पहुंचने के लिए अब केवल छह इलेक्टोरल वोट की ही जरुरत है। अमेरिका में लोग प्रत्यक्ष रूप से राष्ट्रपति का चुनाव नहीं करते हैं बल्कि लोग इलेक्टोरल कलेज के सदस्यों का चुनाव करते हैं। इलेक्टोरल कलेज के सदस्य बाद में राष्ट्रपति का चुनाव करते हैं। इलेक्टोरल कलेज में कुल ५३८ वोट हैं और किसी भी उम्मीदवार को जीतने के लिए २७० इलेक्टोरल वोट की जरुरत होती है। कैलिफोर्निया प्रांत में सर्वाधिक ५५ इलेक्टोरल वोट हैं।

जम्मू–कश्मीर को धर्मयुद्ध की लड़ाई बनाना चाहती हैं भाजपा : महबूबा

जम्मू। जम्मू–कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने प्रदेश में धारा ३७० को बहाल करने के लिए लड़ाई जारी रखने का जिक्र करते आज हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश को धर्मयुद्ध की लड़ाई बनाना चाहती हैं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष मुफ्ती ने आज यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा जम्मू–कश्मीर को वोटों की खातिर धर्मयुद्ध की लड़ाई बनानी चाहती है। मुफ्ती नजरबंदी से मुक्त किये जाने के बाद पहली बार पार्टी कार्यालय आईं । इस दौरान राष्ट्रीय बजरंग दल और शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध करते हुए काले झंडे भी दिखाए गए। वह कल यहां आयोजित होने वाले गुप्कर घोषणा पत्र (पीसीजीडी) बैठक में शामिल भी होंगी जिसकी अध्यक्षता नेशनल कन्फ्रेंस पार्टी के अध्यक्ष डॉ.फारूक

अब्दुल्ला करेंगे। उन्होंने कहा, जम्मू– कश्मीर के लोगों को बचाने के लिए महाराजा हरि सिंह द्वारा अनुच्छेद ३७० लाया गया था लेकिन इसको रद्द करके केंद्र सरकार ने डोगरा और कश्मीरियों की पहचान छीन ली है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, जब तक धारा ३७० बहाल नहीं की जाती , तब तक हम चुप नहीं बैठेंगे और न ही मौजूदा स्थिति को चुपचाप देखते रहेंगे। जब हमने भाजपा के साथ हाथ मिलाया था तो तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुफ्ती मोहम्मद सईद को आश्वासन दिया कि अनुच्छेद ३७० को नहीं छुआ जाएगा लेकिन हमें बाद में धोखा मिला। उन्होंने कहा कि भाजपा जम्मू–कश्मीर को धर्मयुद्ध की लड़ाई बनाना चाहती है और उसने भारत के संविधान का मजाक बनाया है। उन्होंने इस दौरान चीन के साथ तनाव को लेकर भी केंद्र सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि चीन ने भारत की जमीन हड़प ली है।

सीमा पर हालात तनावपूर्ण, चीन के साथ युद्ध से इनकार नहीं : बिपिन रावत

नई दिल्ली। भारत के 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' जनरल बिपिन रावत ने दावा किया कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और चीन के साथ युद्ध की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। रावत ने कहा, कुल मिलाकर सुरक्षा के लिहाज से सीमा पर टकराव, उल्लंघन, अकारण सामरिक सैन्य कार्रवाईबड़े संघर्ष का संकेत है और इससे इनकार नहीं किया जा सकता। चुशूल में भारत और चीन के बीच चल रही सैन्य वार्ता के बीच उनका यह बयान आया है। वह दिल्ली में नेशनल डिफेंस कॉलेज द्वारा आयोजित डायमंड जुबली वेबिनार, २०२० में बोल रहे थे। हालांकि, रावत ने यह भी कहा कि भारत का रुख स्पष्ट है और वह वास्तविक नियंत्रण रेखा में किसी भी बदलाव को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) को लद्दाख में अपने दुस्साहस के लिए अनिश्चित परिणाम का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि भारतीय बलों ने उनके हर कदम का करारा जवाब दिया है। सुबह ९.३० बजे से दोनों देशों के बीच आठवें दौर की सैन्य स्तर की वार्ता चल रही है। भारत और चीन के बीच सात महीनों से एलएसी पर गतिरोध जारी है। कई वार्ताओं के बावजूद अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। इसके अलावा, रक्षा सहयोग के बारे में बोलते हुए, रावत ने कहा कि भारत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण देशों के साथ आपसी विश्वास और साझेदारी बनाने में रक्षा कूटनीति का महत्व समझता है। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले वर्षों में, भारतीय रक्षा उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और समग्र रक्षा तैयारियों में योगदान देगा। जनरल रावत ने कहा, उद्योग हमें पूरी तरह से भारत में निर्मित अत्याधुनिक हथियार और उपकरण उपलब्ध कराएगा। अधिकारी ने कहा कि जैसा कि भारत का दुनियाभर में कद बढ़ेगा, वैसी ही सुरक्षा चुनौतियां भी उसके लिए बढ़ेंगी।

यह चुनाव बिहार के भविष्य का चुनाव है : नड्डा

दरभंगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बिहार चुनाव में आज दरभंगा के हायाघाट में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव किसी प्रत्याशी का नहीं बल्कि यह चुनाव बिहार के भविष्य का है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में एक तरफ विकास करने वाले लोग हैं और एक तरह वे लोग हैं जिन्होंने बिहार को विनाश की ओर ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पूर्व केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि, मिथिला की तस्वीर आत्मनिर्भर भारत बदलने वाला है। देश का ८० प्रतिशत मखाना बिहार में होता है और उसमें से भी ९० प्रतिशत मिथिलांचल के ६ जिलों में होता है। उन्होंने वादा करते हुए कहा कि इसकी फैक्ट्री लगेगी यानी वैल्यु एडिशन कर सकते हैं और इसकी ब्राडिंग होगी। उसके बाद मिथिला नौकरी नहीं मांगेगा बल्कि नौकरी देने वाला बनेगा।

नड्डा ने कहा, यह चुनाव किसी प्रत्याशी का चुनाव नहीं है। यह बिहार के भविष्य का चुनाव है। एक तरफ बिहार का विकास करने वाले लोग हैं और दूसरी तरफ बिहार को विनाश की तरफ पहुंचाने वाले। लालू जी ने लाठी भांजन रैली बुलाई थी की नहीं बुलाई थी। आज ये बोलते हैं कि हम कानून का राज लाएंगे और जब कानून का राज था तब लाठी भांजते थे। उन्होंने कहा कि आज ये लोग मजबूरी में विकास की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने राजनीति की दिशा बदल दी। उन्होंने प्रधानमंत्री की तारीफ करते हुए कहा, नरेंद्र मोदी जी जो कहते हैं, वे कर के दिखाते हैं। यही कारण है कि हम रिपोर्ट कार्ड रखने की ताकत रखते हैं। नरेंद्र मोदी जी ने विकास का ऐसा मंत्र दिया है कि अब मजबूरी में महागठबंधन को भी विकास की बात करनी पड़ रही है, अन्यथा ये विनाश की ओर ले जाने वाले लोग हैं।

पंजाब सरकार रेल ट्रैक से प्रदर्शनकारियों को हटाए : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को एक बार फिर कैप्टन अमरिंदर सिंह की अगुवाई वाली सरकार से रेल ट्रैक और रेलवे की संपत्तियों से प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए कहा है, ताकि रेलवे जल्द से जल्द लोगों की भलाई के लिए और यात्री सेवा और माल ढुलाई का काम सुचारू रूप से शुरू कर सके। पंजाब से केंद्र और राज्य नेताओं के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने गोयल से मुलाकात की। इस दौरान रेल मंत्री ने यह आग्रह किया। बैठक में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, भाजपा के महासचिव तरूण चुग, भाजपा के प्रवक्ता आर.पी. सिंह और पंजाब भाजपा अध्यक्ष अश्विनी शर्मा शामिल हुए। भाजपा नेता ने किसानों के प्रदर्शन की वजह से पंजाब की खराब हालत के बारे में उन्हें अवगत कराया। इस वजह से राज्य में सामान्य जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है और उद्योगों पर प्रभाव पड़ा है। भाजपा नेताओं ने रेल मंत्री से जल्द से जल्द ट्रेन सेवा शुरू करवाने का आग्रह किया है। बुधवार को, रेलवे ने कहा था कि ३२ जगहों पर हो रहे किसान प्रदर्शनों की वजह से उसे १२०० करोड़ रुपये की हानि हुई है।

विना हेलमेट, सीट बेल्ट, गलत नम्बर प्लेट मे कुल १३० वाहनो का चालान किया गया

मोहम्मद अरशद

मऊ। यातायात माह नवम्बर –२०२० मे यातायात प्रभारी संतोष यादव ,हमराह रमेश कुमार , हे०का० सुनील सिंह, का० प्रवीण कुमार, होम गार्ड अमीरचन्द, रवीन्द्र प्रसाद, मिथलेस के साथ बाल निकेतन, मिर्जाहादिपुरा, भीटी चौक, बलिया मोड़ पर यातायात के नियमो का उल्लघंन करने वाले वाहनों, वाहन चालकध्स्वामी का सघन चेकिंग अभियान चलाकर बिना, रजिस्ट्रेशन, डी०एल०, इंशोरेन्स, फिटनेश विना हेलमेट, सीट बेल्ट, गलत नम्बर प्लेट मे कुल १३० वाहनो का चालान किया गया तथा ०३ वाहन को पेपर न होने की वजह से सीज किया गया। जिसमे विना हेलमेट के ५०, सीट बेल्ट–३५, गलत नम्बर प्लेट पर २० बिना डी०एल० के २५ पर कार्यवाही की गयी ।

महिला हेल्प डेस्क का गहन निरीक्षण किया

मोहम्मद अरशद

मऊ। पुलिस अधीक्षक मऊ श्री सुशील घुले द्वारा थाना रानीपुर को औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा सर्वप्रथम मिशन शक्ति योजना के क्रम में स्थापित महिला हेल्प डेस्क का गहन निरीक्षण किया तथा रिकार्ड रजिस्टर व प्राप्त प्रार्थना पत्रों के निस्तारण की स्थिति का अवलोकन किया गया एवं आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये। साथ ही साथ थाना परिसर, कार्यालय, मालखाना, हवालात, बैरिक, भोजनालय, शौंचालय/ स्नानागार इत्यादि के साफ–सफाई का निरीक्षण किया गया तथा सर्व सम्बन्धित को लावारिस वाहनों एवं मालों के निस्तारण करने तथा साफ–सफाई उच्चकोटि की बनाये रखने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये।

शांति भंग की आशंका में १० व्यक्ति गिरफ्तार

मऊ। जनपद के विभिन्न थानों द्वारा आज दिनांक ०६.११.२०२० को देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान, थाना हलधरपुर पुलिस द्वारा देवेन्द्र चौहान व श्रीकांत चौहान निवासीगण उमरपुरा थाना हलधरपुर, थाना कोपागंज पुलिस द्वारा आदित्य विश्वकर्मा व किशन जायसवाल निवासीगण अदरी थाना कोपागंज, थाना मधुबन पुलिस द्वारा बृजेश यादव निवासी भेड़कुल सुल्तानपुर, विरेन्द्र यादव, सुरेन्द्र निवासीगण कुंवरपुरवा, सतेन्द्र यादव निवासी खैरा नासिरपुर थाना मधुबन व थाना रानीपुर पुलिस द्वारा रमेश यादव व ओमकार निवासीगण मिर्जापुर थाना रानीपुर मऊ को शांति भंग की आशंका में धारा १५१ सीआरपीसी के अर्न्तगत गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

एक वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

मऊ। थाना सरायलखंसी पुलिस द्वारा आज दिनांक ०६.११.२०२० को देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान सरयां रघुनाथपुर से मु०अ०सं० ७६४६ २० धारा ३६३,३६६ भादवि में वांछित अभियुक्त अजीत पुत्र सुरेश निवासी सरयां रघुनाथपुर थाना सरायलखंसी मऊ को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

तंगी झेल रहे कुम्हारों को रोजगार भी मिलेगा–उपजिलाधिकारी

कृष्ण कुमार शुक्ला

मोहम्मदी खीरी। मदद करने के लिए जरूरी नहीं की आप जनप्रतनिधी या कोई समाजसेवी हों आप एक अधिकारी और एक आम नागरिक भी हो सकते हैं बस आप में इंसानियत का जज्बा होना चाहिए और ये सच कर दिखाया मोहम्मदी की उपजिलाधिकारी स्वाति शुक्ला और नायाब तहसीलदार ज्ञान प्रकाश ने कोरोना काल से लेकर अब तक कई जनहित के काम करके जनता के बीच अपनी अलग छवि बना चुकीं उपजिलाधिकारी स्वाति शुक्ला का एक और सराहनीय कार्य इस दीपावली अपने घर के साथ दूसरों के घर रोशन करने के लिए स्वाति शुक्ला ने अपने व सभी विभागों से अपील की कि सभी अधिकारी और कर्मचारी रंगीन लाइट को न लगा कर कुम्हार द्वारा तैयार किए मिट्टी के दीए से अपने घरों को रोशन करें अपने साथ साथ उनके घरों पर भी रोशन करें उपजिलाधिकारी से बात करने पर बताया ने बताया कि हमारे द्वारा किए जा रहे इस प्रयास से जो कुम्हारी कला को बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक तंगी झेल रहे इन कुम्हारों को रोजगार भी मिलेगा उपजिलाधिकारी ने कुम्हार के घर जा कर उनकी परेशानियों को जाना और कुम्हारी कला पर अपना हांथ भी आजमाया उन्हें दियों का एक बड़ा अडर भी दिया कुम्हार रतिराम ने बताया कि मिट्टी की समस्या के कारण कुम्हारी कला विलुप्त सी होती जा रही है इसके लिए उन्हें कोई मिट्टी निकालने के लिए किसी तालाब का आवंटन किया जाए तो इस पर स्वाति शुक्ला ने आश्वासन दिया जल्द ही इस समस्या को दूर किया जाएगा इस मुहिम में उनकी मदद कर हिस्सा ले रहे नायब तहसीलदार ज्ञान प्रकाश भी साथ में रहे श्री प्रकाश ने बताया कि मुहीम को आगे बढ़ाने के लिए हर सम्भव प्रयास किया जाएगा।

सदस्य विधान परिषद स्नातक सीट के लिए कान्ति सिंह ने कराया नामांकन

लखीमपुर खीरी। सदस्य विधान परिषद की लखनऊ खण्ड स्नातक सीट के लिए नामांकन प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। कान्ति सिंह ने कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए पहले दिन ही नामांकन किया साथ में डॉ एस. पी. सिंह(पूर्व सदस्य विधान परिषद) सुशील कुमार, हर्षित सिंह,ज्ञानेंद्र कुमार, जिला प्रतिनिधि राजबहादुर सचान,राज बहादुर सिंह चंदेल(एम एल सी नेता निर्दल समूह विधान परिषद) गरिमा सिंह,दीपा सिंह, कुमुद सिंह, विभा सिंह, रमा सिंह एवं सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

भारी मात्रा में अवैध पटाखों (लगभग ४० हजार रुपये कीमती) के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार-

मऊ। अवैध पटाखों के भंडारण के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोपागंज पुलिस द्वारो देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान जरिये मुखबिर की सूचना पर दोस्तपुरा से नेहरुलाल गुप्ता पुत्र स्व० सुन्दर निवासी हुंसापुरा थाना कोपागंज के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध पटाखों (लगभग ४० हजार रुपये कीमती) बरामद कर गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर उक्त अभियुक्त क विरुद्ध मु०अ०सं० ५८८/२० धारा २८६ भादवि व ५/६ख विस्फोटक अधि० का अभियोग पंजीकृत कर चालान न्यायालय किया गया।

०१ किलो ५०० ग्राम अवैध गांजे के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

मऊ। थाना मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान नरौनी मोड़ के पास से शुभम पुत्र रामवचन निवासी तवक्कलपुर थाना मुहम्मदाबाद मऊ के कब्जे से लगभग ०१ किलो ५०० ग्राम अवैध गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर उक्त अभियुक्त के विरुद्ध मु०अ०सं० ७५६/२० धारा ८/२० एनडीपीएस अधि० का अभियोग पंजीकृत कर चालान न्यायालय किया गया।

दबंगों ने दी पत्रकार को जान से मारने की धमकी

कृष्ण कुमार शुक्ला

लखीमपुर–खीरी। सट्टा व चिप्पड़ की खबर छापने से बौखलाए दबंग लखनऊ से प्रकाशित एक समाचार पत्र के जिला संवाददाता के घर आ धमके और उसे व उसके परिवार को जान से मारने की ध मकी दी। इस घटना की लिखित तहरीर पत्रकार के परिवार ने कोतवाली सदर को दी है। बताते चलें कि इन दिनो शहर मे सट्टा व चिप्पड़ का काला कारोबार चरम सीमा पर है, इसकी खबर जब एक समाचार पत्र के जिला संवाददाता राजू राठौर ने अपने समाचार पत्र मे प्रकाशित की तो इस व्यवसाय मे संलिप्त गढ़ी रोड शांतिनगर निवासी अमित अपने साथियों के साथ पत्रकार के साथ सड़क पर ही बद्सुलूकी करने लगा। इसके बाद बुधवार की रात्रि करीब आठ बजे उक्त आरोपी पत्रकार के घर पहुंचा व गालियां देने लगा। इसके बाद गुरुवार को जब पत्रकार के परिवार वाले दवा लेने जा रहे थे, तब गढ़ी रोड स्थित पावर हाउस के पास उक्त युवक ने परिजनों को देख लेने की धमकी दी। घटना के बाद पत्रकार के परिवारीजन खासा भयभीत हैं। यदि इसी तरह दबंग खबर छापने पर पत्रकारों की जान के दुश्मन बन बैठेंगे तो निष्पक्ष पत्रकारिता करना दूभर हो जाएगा।

गैंगेस्टर एक्ट में वांछित एक शातिर गौ–तस्कर (गैंग लीडर) गिरफ्तार

मोहम्मद अरशद

मऊ। पुलिस अधीक्षक मऊ श्री सुशील घुले के निर्देशन में संगठित अपराधध्अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मधुबन पुलिस को उस समय अहम सफलता हाथ लगी जब आज देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान जरिये मुखबिर की सूचना पर चचाईपार से, मु०अ०सं० ६८८/२० धारा २(ठ)(ग्ट), ३(१) यूपी गैंगेस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त आनन्द कुमार सिंह पुत्र मनपरसन सिंह निवासी ताड़ी बड़ागांव थाना नगरा जनपद बलिया (गैंग लीडर) को गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि थाना मधुबन पुलिस द्वारा दिनांक १३.६.२०२० को ग्राम लधुवई से एक पिकअप वाहन (यूपी ६० एटी २६७६) से ०६ राशि गाय व ०२ राशि बछड़े बरामद किया गया था जिसके सम्बन्ध में मु०अ०सं० ३४१/२० ध ारा ३/५ए/८ गोवध निवारण अधि० व ११ पशु क्रूरता निवा० अधि० बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था तथा विवेचना के दौरान उपरोक्त आनन्द कुमार सिंह पुत्र मनपरसन सिंह निवासी ताड़ी बड़ागांव थाना नगरा जनपद बलिया व मोहम्मद महताब पुत्र अलीशेख मुहम्मद निवासी मझौला राज थाना सलेमपुर जनपद देवरिया का नाम प्रकाश में आया। उक्त अभियुक्तों द्वारा अपने आर्थिक, भौतिक एवं बुनियादी लाभ के लिये अवैध तरीके से धन प्राप्त करने हेतु गौ–तस्करी करने के सम्बन्ध में मु०अ०सं० ६८८/२० धारा २(ठ)(ग्ट), ३(१) यूपी गैंगेस्टर एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर कार्यवाही की गयी।

अद्भुत अश्वत्थामा : एक शापित योद्धा

अमरेन्द्र सहाय अमर

अश्वत्थामा महाभारत के एक ऐसे किरदार है जिनकी कहानी रहस्यों में लिपटी है. यह कौरव सेना के एक अदभुत, महान और विलक्षण योद्धा थे. ऐसा कहा जाता है कि

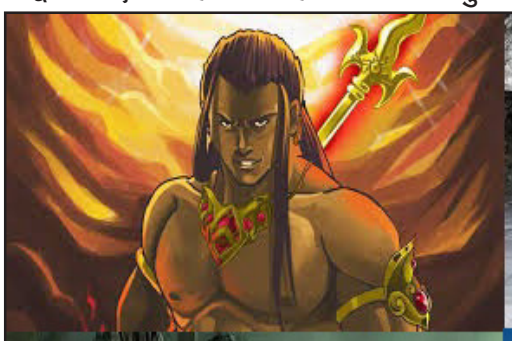

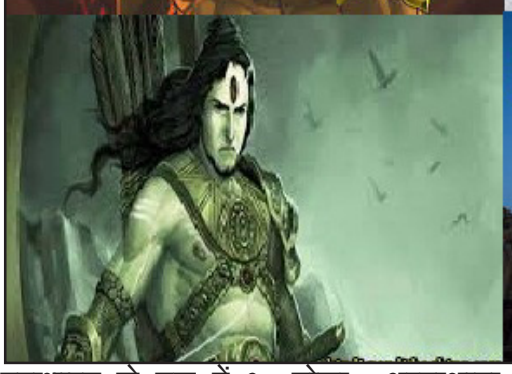

महाभारत के युद्ध में १८ योद्धा जीवित बचे थे उनमे से एक अश्वत्थामा थे. पांडव अश्वत्थामा को हरा नही सके थे न ही मार सके थे. यह जन श्रुति है कि अश्वत्थामा आज भी जीवित और अमर है. कहा जाता है कि अश्वत्थामा ने जन्म लेते ही अश्व के समान घोर शब्द किया था जो दशो दिशाओ और आसमान में गूँज उठा था. शायद इसी से इस बालक का नाम अश्वत्थामा रखा गया. अश्वत्थामा का बचपन घोर अभावों में गुजरा. अश्वत्थामा के जन्म के बाद गुरु द्रोण पर काफी विपन्नता आ गई. इस विपन्नता को दूर करने के लिए द्रोण परशुराम के पास विद्या प्राप्त करने के लिए चले गए. जब द्रोंण परशुराम के पास से शिक्षा लेकर लौटे तो उनके घर में एक गाय तक न थी. अन्य ऋषि कुमार को गाय का दूध पीता देख अश्वत्थामा दूध पीने के लिए रोता था. एक दिन अश्वत्थामा की माँ ने आटे का घोल बनाकर दूध कह कर पिला दिया तो अश्वत्थामा बहुत खुश हुआ. अबोध बालक को आटे का घोल कर दूध समझ पीना और खुश होना द्रोणाचार्य को हृदय तक आहत कर गया. द्रोण ने जब अश्वत्थामा की यह अवस्था देखी तो इसके लिए स्वयं को जिम्मेदार माना. वे गाँव गाँव गाय के लिए भटके परन्तु उन्हें गाय नहीं मिली. तब वे अपने सहपाठी राजा द्रुपद के दरबार में में गये जहाँ राजा द्रुपद ने उन्हें तिरस्रेंत कर राजदरबार से निकाल दिया. राजा द्रुपद से अपमानित होने के बाद अश्वत्थामा को लेकर द्रोण कुरु राज्य में हस्तिनापुर आ गये. वे कुरु कुमारों को अस्त्र शस्त्र की शिक्षा देने लगे. यहाँ कृपाचार्य पहले से कुरु कुमारों को शिक्षा देते थे. कृपाचार्य द्रोणाचार्य के रिश्तेदार भी थे . द्रोणाचार्य भी इनके साथ कुरु कुमारों को शिक्षा देने लगे. बाद में द्रोणाचार्य कौरवो और पांडवों के आचार्य बन गये और बहुत प्रसिद्ध भी हो गये . अश्वत्थामा जीवन के संघर्ष की अग्नि में तप कर सोना बने थे. उन्होंने अपने पिता द्रोणाचार्य से ध नुर्वेद के सभी रहस्यों की शिक्षा प्राप्त कर ली और उच्चकोटि का धनुर्धर बन गया. अश्वत्थामा के ब्रह्मतेज, वीरता, धैर्य, शस्त्र ज्ञान, नीति ज्ञान बुद्धिमता आदि में बारे में किसी को कोई शंका नहीं थी. कौरव और पांडव दोनों अश्वत्थामा की शक्ति से परिचित थे. पितामह भीष्म स्वयं अश्वत्थामा की प्रसंशा करते थे. जब भीम के राक्षस पुत्र घटोत्कच के नेतृत्व में पांडवों के सेना ने कौरव पर आक्रमण किया तो सभी कौरव पुत्र और सेना भाग खडी हुई तब अश्वत्थामा ने अकेले घटोत्कच और उसकी सेना से मोर्चा लिया. इन्होने घटोत्कच के पुत्र अंजन वर्मा को मृत्यु की गोद सुला दी. पांडवों की अक्षोहिणी सेना को मार गिराया. अश्वत्थामा ने घटोत्कच तक को घायल कर दिया. अश्वत्थामा के युद्ध कौशल को देखते हुए पांडव सेना में भय छा गया. अश्वत्थामा कौरव सेना के प्रधान महारथी थे. पितामह भीष्म के शर शैया पर लेटने के बाद युद्ध के ग्यारहवें दिन कर्ण के परामर्श पर गुरू द्रोणाचार्य को कौरव सेना का प्रधान सेनापति बनाया जाता है. तब मामा शकुनि और दुर्योधन गुरु द्रोणाचार्य को कहते हैं कि अगर वे युधिष्ठर को बंदी बना लें तो युद्ध अपने आप समाप्त हो जायेगा. जब युद्ध के अंत में द्रोणाचार्य युद्धिष्ठिर को युद्ध में परास्त कर उन्हें बंदी बनाने चलते हैं तो अर्जुन आकर वाणों की वर्षा से द्रोणाचार्य को रोक देता है . इस प्रकार द्रोणाचार्य की युधिष्ठिर को बंदी बनाने की कोशिश नाकाम हो गई. लेकिन द्रोणाचार्य और अश्वत्थामा की संहारक शक्ति के चलते पांडव सेना की बहुत क्षति हुई. पांडवों की हार को देखते हुए श्रींष्ण ने युधिष्ठिर को छल का सहारा लेने का परामर्श दिया परन्तु युधिष्ठिर मिथ्या कथन को तैयार नही थे. तब अवान्तिराज के हाथी जिसका नाम अश्वत्थामा था उसका भीम ने बध कर दिया और युद्ध में यह अफवाह फैला दी गई कि अश्वत्थामा मारा गया. जब गुरु द्रोणाचार्य ने अश्वत्थामा के मृत्यु की सत्यता युधिष्ठिर से जाननी चाही तो युधिष्ठिर ने कहा अश्वत्थामा तो मारा गया परन्तु हाथी. श्रींष्ण ने उसी समय शंखनाद कर दिया जिसके शोर के कारण द्रोणाचार्य अंतिम शब्द हाथी नही सुन पाए और उन्हें लगा कि उनका पुत्र मारा गया. यह सुनकर उन्होंने शास्त्र का त्याग कर दिया. इस मौके का लाभ उठाते ही द्रौपदी के भाई ष्टदयुम्न ने अपनी तलवार से गुरु द्रोणाचार्य का सिर काट दिया. यह समाचार अश्वत्थामा के लिए बहुत दुखद था. अपने पिता की छलपूर्वक हत्या से अश्वत्थामा युद्ध के सारे नियमों को ताक में रख कर पांड्वो से युद्ध करता है. पिता की छ्ल द्वारा हत्या से दुखी होकर अश्वत्थामा विवश होकर नारायणाश्त्र का प्रयोग करता है जिसके चलते पूरी पांडव सेना नष्ट हो जाती लेकिन इसके इस अस्त्र से पांडवों को बचाने के लिए श्रींष्ण पांडवों को सलाह देते हैं कि सभी अपने अस्त्र और रथ त्याग कर नारायणाश्त्र के समक्ष आत्मसमर्पण कर दो अन्यथा कोई नहीं बचेगा. सभी पांडव ऐसा ही करते है और उस ब्रह्मास्त्र से सभी पांडव बच जाते हैं. महाभारत युद्ध के अठारहवें दिन कौरव सेना के तीन योद्धा शेष बचते है . अश्वत्थामा, ंपाचार्य और ंतवर्मा. अश्वत्थामा पांड्वो के विनाश की हमेशा सोचता रहता था. आखिर में वह घोर कालरात्रि में पांडवों के शिविर में घुस जाता है और पांडवों के पांचो पुत्रो को पांडव समझ कर उनका सिर काट देता है. तभी दृष्टदयुम्न जाग जाता है तो अश्वत्थामा उसका भी बध कर देता है. अश्वत्थामा से इस कुंत्य के हर तरफ निंदा की जाती है. अपने पुत्रो के बध से मर्माहत द्रौपदी विलाप करती है. तब अर्जुन अश्वत्थामा का बध करने का संकल्प लेकर उसका पीछा करते हैं. अर्जुन के संकल्प को सुन अश्वत्थामा भाग निकलता है. जब अश्वत्थामा को कहीं सुरक्षा नही मिलती तो वह अर्जुन पर ब्रहमास्त्र का प्रयोग कर देता है. यह देख कर अर्जुन भी ब्रम्हास्त्र का प्रयोग करते है. सृष्टि के विनाशा के भय से ऋषि मुनि अर्जुन से ब्रहमास्त्र को वापस लेने का अनुरोध करते हैं जिसे अर्जुन मान लेते है लेकिन अश्वत्थामा अपना ब्रहमास्त्र अभिमन्यु की विधवा की तरफ मोड़ देता है .लेकिन श्रीकृष्ण अपने प्रभाव से उत्तर को बचा लेते हैं. अर्जुन जीवित ही अश्वत्थामा को बंदी बनाकर द्रौपदी के समक्ष प्रस्तुत किया. बंदी और बंधे अश्वत्थामा को देख कर द्रौपदी को दया आ जाती है और द्रुपदी ने अर्जुन से कहा ,हे आर्यपुत्र अश्वत्थामा ब्राह्मण और गुरुपुत्र है. आपने इसके पिता से अस्त्र शास्त्र की विद्या पाई है. इस समय आप यह कल्पना कीजिये अपने पुत्र के रूप में गुरु द्रोणाचार्य आपके समक्ष खड़े हैं. इसका बध करने से इसकी माता ंपी भी शोकाकुल होगी. पुत्र मोह के कारण वह द्रोणाचार्य के साथ सती नहीं हुई. इसका बध करने सें ंपी की आत्मा मुझे कोसेगी. इसके बध से मेरे पुत्र तो वापस नही आयेंगे . अतरू आप इसे मुक्त कर दें. द्रौपदी के धर्म युक्त बातों को सुन कर सभी ने द्रौपदी कि सराहना की. अर्जुन ने दंड देने की नीयत से अश्वत्थामा के केश काट दिए और उसके मस्तक की मणि तलवार से निकाल दी. कहते हैं श्रींष्ण ने अश्वत्थामा को छ हजार साल तक भटकने रहने का शाप दिया. जनश्रुति है अश्वत्थामा आज भी कभी मध्प्रदेश तो कभी उडीसा और कभी उत्तरखंड के जंगलों के भटक रहा है. कहते है अश्वत्थामा इस कल्प के अंत तक जीवित रहेगा. महाभारत की गाथा का एक महत्वपूर्ण पात्र होने के बावजूद अश्वत्थामा सदा उपेक्षित रहा है. पौराणिक आख्यानों में ऐसे कई लोग हैं जिन्हें अमर माना जाता है. लेकिन अन्य लोगों को जहां अमरता वरदान के रूप में मिली तो अश्वत्थामा को 'शाप' के रूप में.

बहु के साथ मारपीट करना ससुराल वालों को पड़ा महँगा

लखनऊ। बहु के साथ मारपीट करना ससुराल वालों को महँगा पड़ गया बहु की तहरीर पर बाजार खाला पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज। बाजार खाला थाना क्षेत्र के शाही खैरात खाने टूरिया गंज की रहने वाली अंबर परवीन पत्नी राजा मियां ने शुक्रवार को बाजार खाला थाना में ससुराल वालों के खिलाफ एक तहरीर देते हुए उनको बुरी तरह पीटने का आरोप लगाया है। अंबर के अनुसार उनके पति, नंद, नंदोई, जेठ आदि ने मिलकर उसको मारा पीटा और गालियां दी। पीड़िता के अनुसार जिससे उसके चेहरे पर सर में और हाथ में काफी चोट आई है पीड़िता के अनुसार उसको और उसके बच्चों को सब ने मिलकर घर से निकाल दिया है और सभी लोग कम दहेज मिलने का ताना देकर उसको काफी परेशान करते हैं। जिससे परेशान होकर पीड़िता ने शुक्रवार को बाजार खाला थाने में ससुराल वालों के खिलाफ एक नामजद तहरीर दी है। पुलिस के अनुसार पीड़िता की तहरीर पर मामला दर्ज करते हुए कार्रवाई की जा रही है।

दिवाली के पंचोत्सव 13 नवंबर से 16 तक सिमट रहें हैं 4 दिनों में, दिवाली पर ग्रहों का ऐसा संयोग 1521 में बना था

मदन गुप्ता सपाटू

२०२० में सामाजिक जीवन के साथ साथ धार्मिक गतिविधियों में भी अप्रत्याशित परिवर्तन हुए हैं। श्राद्ध के अगले दिन आरंभ होने वाले नवरात्र एक महीना आगे खिसक गए। चौमासा पंचमासा में बदल गया तो दीवालीके पंच पर्व ४ दिवसीय हो गए हैं। यहां तककि शरद् पूर्णिमा का 'ब्लू मून' भूकंप और सुनामी तक ले आया। अधिकांश त्योहारों को सार्वजनिक रुप से मनाने की बजाय सीमित स्थानों पर और संसधानों से मनाना पड़ा। मास्क और सेनीटाइजर का उपयोग निरंतर करना पड़ रहा है। कारवाचौथ पर चांद की रौनक भी सिमटी सी रही। दिवाली तथा भाई दूज पर , पटाकों,मिठाईयों व उपहारों के आदान प्रदान पर एक अंकुश सा रहेगा। इस वर्ष दिवाली पर गुरु स्वराशि धनु, शनि भी अपनी मकरराशि में तथा शुक्र कन्या में होंगे। ऐसा दुर्लभ संयोग, लगभग ५०० सालपहले १५२१ में बना था। गुरु तथा शनि कीस्थिति, धन संबंधी कार्यक्लापों, देश की आर्थिक स्थिति में सुधार होने के संकेत दे रहे हैं। दिवाली का त्यौहार, धनतेरस से शुरु होता है और भाई दूज के साथ समाप्त होता है। धनतेरस के दिन, स्वास्थ्य के देवता भगवान धनवंतरी की जयंती भी मनाई जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, धन्वंतरि जयंती का त्योहार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान धनवंतरी धनतेरस के दिन समुद्र मंथन के दौरान भगवान अमर कलश को अपने हाथों में लेकर प्रकट हुए थे, इसलिए धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा विधि–विधान से की जाती है। इसके साथ ही इस दिन धन की देवी कुबेर, देवी लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा करने का भी विधान है। पंचोत्सव. ...जैसे नवरात्रि पर नौ दिन, दुर्गा माता के नौस्वरुपों की आराधना की जाती है, ठीक उसी भांति दीवाली के अवसर पर पंचोत्सव मनानेकी परंपरा है। किस दिन क्या पर्व होगा और उस दिन क्या छोटे छोटे कार्य व उपायकरने चाहिए, उसका दैनिक विवरण संक्षिप्त रुप में हम दे रहे हैं।..... विभिन्न पर्वों पर शुभ मुहूर्त..... १२नवंबर –गुरुवार,–गोवत्स द्वादशी , १३नवंबर – शुक्रवार– धन त्रयोदशी– धनवंतरी जयंती, हनुमान जयंती, १४नवंबर – शनिवार – चर्तुदशी, नरक चौदश , दीवाली , १४नवंबर – शनिवार –, दीवाली , १५नवंबर – रविवार,, गोवर्धन पूजा , अन्नकूट , विश्वकर्मा दिवस , १६नवंबर –सोमवार,– यम द्वितीया– भाई दूज, गोवत्स द्वादशी–१२ नवंबर – गुरुवार, द्वादशी उत्सव के दिन गाय माता एवं उनके बछड़े की पूजा की जाती है। यह त्यौहार एकादशी के एक दिन के बाद द्वादशी को तथा धनतेरस से एक दिन पहले मनाया जाता है। गोवत्स द्वादशी की पूजा गोधूलि बेला में की जाती है। जो लोग गोवत्स द्वादशी का पालन करते हैं, वे दिन में किसी भी गेहूं और दूध के उत्पादों को खाने से परहेज करते हैं।भारत के कुछ हिस्सों मे इसे बछ बारस का पर्व भी कहते हैं। गुजरात में इसे वाघ बरस भी कहते हैं। गोवत्स द्वादशी को नंदिनी व्रत के रूप में भी मनाया जाता है। हिंदू धर्म में नंदिनी गाय को दिव्य माना गया हैं। गोवत्स द्वादशी पूजा महिलाओं द्वारा पुत्र की मंगल–कामना के लिए किया जाता है। यह पर्व एक वर्ष में दो बार मनाया जाता है। पहला भाद्रपद मास में ष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि को तो दूसरा कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष में। धार्मिक मान्यताएं के अनुसार, गौमाता में समस्त तीर्थ होने की बात कही गई है। गौमाता के दर्शन से ही बड़े–बड़े यज्ञ, दान आदि कर्मों से भी ज्यादा लाभ प्राप्त होता है। माता यशोदा ने भगवान श्रीष्ण के जन्म के बाद इसी दिन गौमाता के दर्शन और पूजन किया था। माना जाता है कि गौमाता को एक ग्रास खिलाने से ही सभी देवी–देवताओं तक यह अपने आप ही पहुंच जाता है। इस दिन महिलाएं अपने बेटे की दीर्घायु के लिए और परिवार की खुशहाल के लिए व्रत करती हैं। इस दिन विशेषकर परिवार में बाजरे की रोटी बनाई जाती है। साथ ही अंकुरित अनाज की सब्जी भी बनाई जाती है। इस दिन भैंस या बकरी का दूध इस्तेमाल किया जाता है। शास्त्रों में इसका माहात्म्य बताया गया है। इसके अनुसार, बछ बारस के दिन अगर महिलाएं गौमाता की पूजा करती हैं और रोटी समेत हरा चारा खिलाती हैं तो उनके घर में मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है।....धनवंतरी जयंती– १३ नवंबर २०२० (शुक्रवार)....पंचांग के अनुसार, धन्वंतरि जयंती का त्योहार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इसके साथ ही इस दिन धन की देवी कुबेर, देवी लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा करने का भी विधान है। समुद्र मंथन के दौरान, वह कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन प्रकट हुए थे, इसलिए धनवंतरी जयंती दिवाली से दो दिन पहले मनाई जाती है। आयुर्वेद का जन्म भगवान धन्वंतरी के रूप में हुआ था, इसलिए उन्हें आयुर्वेद का जनक भी कहा जाता है। भगवान धनवंतरी की चार भुजाएँ हैं, जिसमें वे शंख, चक्र, औषधि और अमृत कलश पहनते हैं। भगवान धनवंतरी को देवताओं का वैद्य या स्वास्थ्य का देवता भी कहा जाता है। वह पीतल धातु के बहुत शौकीन हैं, इसलिए इस दिन पीतल के बर्तनों की खरीदारी करना शुभ माना जाता है। धनतेरस के दिन धनवंतरी की पूजा करने से अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद मिलता है। दरअसल, स्वास्थ्य ही सबकुछ है और इसके बिना धन भी बर्बाद होता है, इसलिए धनतेरस पर भगवान धन्वंतरी की पूजा अच्छे स्वास्थ्य और स्वस्थ शरीर के लिए की जाती है। धनतेरस को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।.....शुभ मुहूर्त.... त्रयोदशी तिथि प्रारंभ– १२ नवंबर, २०२० को रात ०६.३२ बजे से, त्रयोदशी तिथि समाप्त होती है १३ नवंबर २०२० को शाम ०६.०१ तक, पूजा का शुभ मुहूर्त १३ नवंबर २०२० को शाम ०५.२८ बजे से शाम७–३०बजे तक।...१३ नवंबर – शुक्रवार – धनतेरस...इस दिन कुछ नया खरीदने की परंपरा है। विशेषकर पीतल व चांदी के बर्तन खरीदने का रिवाज है। मान्यता है कि इस दिन जो कुछ भी खरीदा जाता है उसमें लाभ होता है। धन संपदा में वृद्धि होती है। इसलिये इस दिन लक्ष्मी की पूजा की जाती है। धन्वंतरि भी इसी दिन अवतरित हुए थे इसी कारण इसे धन तेरस कहा जाता है। इस दिन लक्ष्मी के साथ धन्वन्तरि की पूजा की जाती है। दीपावली भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। दीपोत्सव का आरंभ धनतेरस से होता है। जैन आगम (जैन साहित्य प्राचीनत) में धनतेरस को 'धन्य तेरस' या 'ध्यान तेरस' कहते हैंय मान्यता है, भगवान महावीर इस दिन तीसरे और चौथे ध्यान में जाने के लिये योग निरोध के लिये चले गये थे। तीन दिन के ध्यान के बाद योग निरोध करते हुये दीपावली के दिन निर्वाण (मोक्ष) को प्राप्त हुयेद्य तभी से यह दिन जैन आगम में धन्य तेरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। यहपर्व दीवाली के आगमन की सूचना देता है।...क्या करें ?...यह पर्व दीवाली के आगमन की सूचना देता है। आज १३ नवंबर सायं ५.३० बजे से ७.३० बजे तक खरीदारी कर सकते है। प्रदोष काल सायं ५.३० से ८ बजे तक रहेगा। वैद्य एवं चिकित्सक धन्वंतरी की पूजा अर्चना कर सकते हैं। प्रातः प्रवेश स्थ्ल व द्वार को धो दें और रंगोली बनाएं, वंदनवार, बिजली की झालर लगाएं। घर का सारा कूड़ा करकट ,अखबारों की रद्दी, टूटा फूटा सामान,पुरानी बंद इलेक्ट्रनिक चीजें बेच दें। जाले साफ करें। नया रंग रोगन करवाएं। आफिस घर साफ करें। अपने शरीर की सफाई करें। तेल उबटन लगाएं। पार्लर जा सकते हैं। पुराने बर्तन बदल के नए लें। चांदी के बर्तन या सोने के जेवर खरीदें। नया वाहन या घर की कोई दीर्घ समय तक प्रयोग की जाने वाली नई चीज लें। खीलें बताशे आज ही खरीदें। धान से बनी सफेद खीलें सुख, समृद्धि व सम्पननता का प्रतीक हैं अतः इसे धनतेरस पर ही घर लाएं। इस दिन बाजार से नया बर्तन घर में खाली न लाएं उसमें , मिष्ठान या फल भर के लाएं धनतेरस की रात यदि आपको अपने घर में छिपकली दिख जाए तो समझें पूरा वर्श शुभ रहेगा। इस दिन संयोगवश इसके दर्शन दुर्लभ होते हैं। सायंकाल मुख्य द्वार पर आटे का चौमुखी दीपक बना कर , चावल या गेहूं की ढेरी पर रखें।साथ में जल, रोली ,गुड़ फूल नैवेद्य रखें। इसे आज से ५ दिन हर शाम जलाएं। व्यवसायी अपने बही –खाते, विद्यार्थी पुस्तकों आदि की पूजा करें। आरोग्य हेतु आज धन्वंतरि दिवस पर जरुरत मंदों को दवाई दान दें। नई या पुरानी इलैक्ट्रनिक आयटम पर नींबू घुमा के वीरान जगह फेंकें या निचोड़ के फलश में डाल दें। इस दिन नए कपड़े पहनने से पूर्व उन पर हल्दी या केसर के छींटे दें। नई कार या वाहन खरीदने पर उसके बोनट पर कुमकुम व घी के मिश्रण से स्वास्तिक का चिन्ह बनाएं ,नारियल पर रोली से ओम् बना के वाहन के आगे फोड़ें और प्रषाद बांट दें। पुराना फटा पर्स बदल दें,नया पर्स या बैग खरीदें। इसमें क्रिस्टल, श्री यंत्र,गोमती चक्र,कौड़ी,हल्दी की गांठ, पिरामिड, लाल रंग का कपड़ा,लाल लिफाफे में अपनी इच्छा विश लिख कर रखें। लाल रेशमी धागे में गांठ लगा के पर्स में रख लें। मनोकामना में विवाह की इच्छा या ऐसा ही कोई रुका कार्य या धन प्राप्ति आदि लिख सकते हैं। मेश, सिंह, वृश्चिक व धनु राशि वाले लाल, पीला, नारंगी या भूरे रंग का पर्स या बैग रखें। बृश ,तुला, कर्क वाले सफेद, सिल्वर, गोल्डन, आसमानी। मकर व कुंभ राशि के लोग नीले ,काले, ग्रे कलर के, मिथुन तथा कन्या राशि के हरे रंग के पर्स या बैग खरीदें। आज के दिन किसी को उधार न दें। किस राशि वालों को इस दिन क्या करना चाहिए। १.मेषः सोने का सिक्का ,विद्युत या इलेक्ट्रिनक उपकरण मोबाइल, टी.वी आदि खरीदें। लाल फल. का दान करें। २.बृषः गोल्ड क्वाएन , साबुत हल्दी, शिक्षा संबंधि उपकरण जैसे लैपटाप या कंप्यूटर ले सकते हैं। ३.मिथुनः फूड प्रोसेसर, मिक्सी ,केसर, कलई किए बर्तन आदि ले। ४.कर्कः चांदी के बर्तन, मोती का हार या अंगूठी,मकान वाहन का क्रय आज अत्यंत शुभ रहेगा। फ्रिज , वाटर प्योरिफायर या वाटर कूलर खरीदें। ५.सिंहः सोने के आभूशण या गोल्ड क्वाएन खरीदना धन वृद्धि करेगा। शहद, खजूर उपहार दें। ६.कन्याः, नया मोबाइल, ब्रॉड बैंड कनेक्शन, टीवी तथा संचार संबंधी उपकरण ,स्टील के बर्तन, होम अप्लायंस खरीदें। क्रेडिट कार्ड या ऋण लेकर कुछ न खरीदें। ७. तुलाः चांदी के बर्तन, क्राकरी लें, परफयूम, रियल एस्टेट में निवेश करें। हर तरफ से धन धान्य की प्राप्ति। ८.बृश्चिकः इलैक्ट्रानिक आयटम में खरीदें। लाल रंग का एप्लायंस अच्छा रहेगा। तांबे के बर्तन, डेकोरेशन पीस खरीदे। ९.धनुः लक्ष्मी जी का सोने का सिक्का या मूर्ति सामर्थ्यानुसार खरीद कर पूजा स्थान पर स्कापित करें। १०.मकरः प्रापर्टी से कुछ प्राप्त होगा। यदि वाहन या गृहपयोगी बर्तन या बिजली के यंत्र खरीदना चाहें तो काले रंग के लें। ११. कुंभः लोहे की कढ़ाई, कुकर वाहन , फ्रिज, टी.वी आदि काले ,नीले या ग्रे कलर का लें। १२.मीनः पूर्वनिर्मित मकान या फलैट की प्राप्ति। प्रापर्टी का ब्यााना देना। तांबे के बर्तन ले।

यूपी में बिजली के बढ़ते बिलों और मीटरों का आतंक व्याप्त : प्रियंका

लखनऊ। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में बढ़ते बिजली के बिल को लेकर सरकार पर निशाना साधा और कहा कि बिजली के बढ़ते बिलों और बिजली मीटरों का आतंक व्याप्त है। प्रियंका ने आज अपने जारी बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश तो बिजली मीटरों के लिए प्रयोगशाला बन गया है। बिजली के मीटर कई गुना तेज चलते पाए गए हैं। जिन घरों में ताले लगे हुए हैं, बिजली की कोई खपत नहीं हुई है, उन घरों में सात–आठ हजार रुपये तक का बिल आ रहा है। प्रदेश के कई जिलों में तो यह भी देखा गया कि बिना बिजली के मीटर लगे ही बिल आ गए। प्रियंका ने कहा कि यूपी में बिजली के बढ़ते बिलों और मीटरों का आतंक व्याप्त है। पिछले कुछ वर्षों में बिजली दरों में व्यापक बढ़ोतरी हुई है। प्रियंका ने कहा कि पिछले आठ साल में ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं की दरों में ५०० फीसदी, शहरी घरेलू बिजली की दरों में ८४ फीसदी और किसानों को मिलने वाली बिजली की दरों में १२६ फीसदी की वृद्धि हुई है।

पूरे प्रदेश में बिजली के बढ़ते रेट से हाहाकार मचा हुआ है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि जनता महंगाई की मार से त्रस्त है। छोटे कारोबारियों का व्यापार चौपट हो गया है। किसानों की फसलों की खरीद नहीं हो रही है। बाढ़, ओला एवं प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में उनकी कोई मदद नहीं होती। फसल बीमा योजना बड़ी कम्पनियों की कमाई का साधन बनकर रह गई है। ऐसी स्थिति में बिजली के लगातार बढ़ रहे दाम, मीटरों की अनियमितताओं की मार उपभोक्ता अब नहीं सह सकते हैं। प्रियंका ने कहा कि इस महामारी में होना तो यह चाहिए कि बिजली बिलों की दरों में बड़े पैमाने पर कमी करके जनता को राहत दी जाती। किसानों के बिजली के बिल माफ किए जाते। बुनकरों–दस्तकारों, छोटे लघु उद्योगों को बिजली बिल भुगतान में रियायत मिलती। प्रियंका गांधी ने कहा कि किसानों को मिल रही बिजली का रेट तत्काल प्रभाव से हाफ किया जाए। बिजली मीटर घोटाले का सच सामने लाया जाए और दोषियों पर कार्रवाई हो। बुनकरों–दस्तकारों, छोटे लघु उद्योगों को बिजली भुगतान में रियायत दी जाए।

सर्कस में काम करने के लिए बेताब है जैकलीन

मुंबई। बॉलीवुड की जानी–मानी अभिनेत्री और पूर्व मिस श्रीलंका जैकलीन फर्नांडीस फिल्म 'सर्कस' में काम करने के लिये बेताब है। बॉलीवुड फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी, रणवीर सिंह को लेकर फिल्म 'सर्कस' बनाने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म 'सर्कस' एक कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें रणवीर सिंह के अलावा पूजा हेगड़े और जैकलीन फर्नांडीस लीड रोल में होगीं। जैकलीन जल्द ही 'सर्कस' की शूटिंग शुरू करेंगी। जैकलीन ने कहा, "ऐसी फिल्में बनाना आसान नहीं है जो आपका मनोरंजन करे, आपको हंसाए और अच्छा महसूस कराए। रोहित शेट्टी ऐसे व्यक्ति है

जिनका नाम मनोरंजक और कमर्शियल सिनेमा के बारे में सोचने पर सबसे पहले आता है। मैंने हमेशा उनकी फिल्मों को देखना एन्जॉय किया है और इसमें लगने वाली कड़ी मेहनत से पूरी तरह परिचित हूं। उनके साथ काम करने के लिए रोमांचित हूं और मैं उनके सेट पर जाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अगले महीने से मुंबई, ऊटी और गोवा में की जाएगी जिसे अगले साल विंटर सीजन में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म को रोहित शेट्टी के साथ–साथ भूषण कुमार और रिलायंस एंटरटेनमेंट को–प्रोड्यूस कर रहे हैं।

अक्षय की फिल्म लक्ष्मी का नया गाना बमभोले हुआ रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'लक्ष्मी' का नया गाना बमभोले रिलीज कर दिया गया है। राघव लॉरेंस के निर्देशन में बनीं 'लक्ष्मी ' अब यह फिल्म 'लक्ष्मी' नाम से ओटीटी प्लेटफार्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर ०६ नवंबर को रिलीज हो रही है। फिल्म 'लक्ष्मी' का नया गाना बमभोले रिलीज होते ही सबकी चर्चाओं का विषय बन गया है। अक्षय कुमार ने बमभोले गीत में अपने तांडव के साथ देश भर में लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। गणेश आचार्य द्वारा कोरियोग्राफ किए गए इस गाने में अक्षय कुमार १०० ट्रांसजेंडर्स के

में अक्षय कुमार ने ट्रांसजेंडर का किरदार निभाया है। हॉरर–कॉमेडी 'लक्ष्मी' में कियारा आडवाणी भी नजर आएंगी। यह फिल्म तमिल की सुपरहिट फिल्म 'कंचना' का हिंदी रीमेक है। पहले इस फिल्म का नाम 'लक्ष्मी बम' रखा गया था लेकिन साथ डांस कर रहे थे। हर कोई अक्षय के नृत्य, लुक और गाने में उनके हावभाव की तारीफ करते नजर आ रहा है। गाने का सेट भव्य है । गणेश आचार्य अपनी ऊर्जा और स्टाइल के साथ कोरियोग्राफी में चार चांद लगा दिया है।

अमाल मलिक ने अपने नए पॉप सॉन्ग के बारे में बताया

मुंबई। संगीतकार–गायक अमाल मलिक ने बॉलीवुड को कई हिट सॉन्ग दिए हैं। गायक ने अपनी पहली पप रिलीज के उत्सुकता को साझा किया। अमाल का पॉप डेब्यू 'तू मेरा नहीं सैड सॉन्ग है, जिसे रश्मि विराग ने लिखा और अमाल मलिक ने गाया है। अमाल ने कहा, 'तू मेरी नहीं' के साथ, मैंने दुबई के सौंदर्य सहित कई जरूरी संगीत के तत्वों को दिखाने की कोशिश की है, जो गीत में वीरता की भावना को रेखांकित करता है। गाने के वीडियो में उन्हें अभिनेत्री अदिति बुधाथोकी के साथ दिखाया गया है। फिल्म 'जय हो' के साथ २०१४ में अमाल ने बतौर संगीतकार के रूप में अपने करियर की शुरूआत की। इसके बाद अमाल ने 'रॉय', 'हीरो', 'कपूर एंड संस' और 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' जैसी फिल्मों को हिट सॉन्ग दिया।

थारू संस्कृति का डंका दुनिया भर में बजवाएगी योगी सरकार

लखनऊ। योगी सरकार थारू जनजाति की अनूठी सभ्यता और संस्कृति का डंका दुनिया भर में बजवाने की तैयारी कर रही है। जंगलों के बीच बसे थारु गांव अब विकास की मुख्य धारा से जुड़ेंगे, आर्थिक गतिविधियों में शामिल होंगे। शिक्षा और रोजगार हासिल करेंगे। लखीमपुर, पीलीभीत, बलरामपुर और बहराइच समेत राज्य के तमाम जंगलों में बसे थारू जनजाति के गांवों को योगी सरकार वन विभाग की 'होम स्टे' योजना से जोड़ने जा रही है। होम स्टे योजना के जरिये वन निगम जंगलों के बीच बसे थारू गांवों को आर्थिक रूप से आत्म निर्भर बनाने के साथ रोजगार से सीधे जोड़ेगा। वन निगम थारू गांवों में पर्यटकों को ठहराने की योजना शुरू करने जा रहा है। जंगल के बीच बसे इन गांवों में बिना किसी निर्माण और तोड़ फोड़ के होम स्टे योजना से जोड़ा जाएगा। प्राकृतिक रूप से बने आवास और झोपड़ियों का इस्तेमाल ग्रामीणों की सहमति से सैलानियों के ठहरने के लिए किया जाएगा। वन निगम थारू समुदाय के लोगों को सैलानियों से बातचीत और बेहतर व्यवहार का प्रशिक्षण भी देगा। सुरक्षा और सफाई के साथ ही जंगल के नियम कानून सैलानियों को बताने का जिम्मा भी गांव के लोगों पर होगा। जंगल के बीच अपने घरों में ठहरने और खाने की सुविधा देने के बदले में थारू गांव के लोग सैलानियों से अच्छी कीमत भी ले सकेंगे। हर साल देश विदेश से जंगलों में आने वाले सैलानियों को थारू गांवों में रुकने और उनकी अनूठी संस्कृति से जुड़ने, समझने का अवसर भी मिलेगा। सैलानियों के जरिये सरकार थारू जनजाति के रहन सहन, खान पान, पहनावे और संस्ंति का परिचय देश दुनिया से कराएगी। प्रधान अपर मुख्य वन संरक्षक ईवा शर्मा ने बताया कि वन निगम होम स्टे योजना को विस्तार दे रहा है।

अभिनेता फराज खान का निधन

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता फराज खान का मस्तिष्क में संक्रमण के कारण निधन हो गया। वह ४६ वर्ष के थे। इस खबर की पुष्टि अभिनेत्री व फिल्मकार पूजा भट्ट

ने सोशल मीडिया पर की। पूजा ने ट्वीट किया, भारी मन से मैं यह खबर साझा कर रही हूं कि फराज खान हमें छोड़कर एक बेहतर जगह पर चले गए, मुझे लगता है कि वह यहां से बेहतर जगह है। कृपया उनके परिवार के लिए प्रार्थना करें। वह अपने पीछे एक रिक्त स्थान छोड़ गए, जिसे भरना आसान नहीं। इससे पहले २२ अक्टूबर को पूजा ने लिखा था कि फराज की सेहत में सुधार हो रहा है। उन्होंने ट्वीट किया था, फराज खान के चिकित्सा उपचार में योगदान देने के लिए आप सभी की विशेष रूप से आभारी हूं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370

प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार

सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक

सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289

मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा साईं आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक